

साहूकार पुं. (तद्.) व्याज पर जरूरतमंदों को रुपयों का लेन देने करने वाला धनी व्यक्ति, महाजन।

साहूकारी स्त्री. (तद्.) दूसरों को ब्याज पर रुपयों के लेन देन का काम करने की प्रक्रिया, महाजनी।

साहूत स्त्री. (अर.) मुस्लिम सूफी फकीरों के अनुसार ऊ पर के नौ लोकों में से सातवाँ।

साहे क्रि.वि. (देश.) 1. घमंड से फूला हुआ 2. गरजता हुआ बादल।

साहेब पुं. (अर.) 1. साहब 2. बड़े अधिकारियों या विशिष्ट लोगों के लिए सम्मान जनक संबोधन।

साहें अव्य. (तद्.) सामुहें, सम्मुख, सामने स्त्री. भुजा- द्वार की शाखाएँ, खंभे, बाजू।

साह्लाद क्रि.वि. (तत्.) अह्लाद के सहित, आह्लाद पूर्वक, खुशी या आनंद के साथ, सानंद, सहर्ष।

सारेत आपन्न वि. (तत्.) जो निर्वाण साधना की प्रथम अवस्था पर पहुँचा हो।

सिंगल पुं. (देश.) कुमायूँ से नेपाल तक का एक पर्वतीय बकरा।

सिंउँ अव्य. (देश.) त्यों, से।

सिंकना अ.क्रि. (तद्.) सेंका जाना।

सिंकरी स्त्री. (तद्.) 1. किंबाड़ बंद करने के लिए, उसमें लगाई जाने वाली जंजीर, साँकल 2. गले में पहनने की जंजीर रूपी आभूषण 3. जंजीर के आकार की कोई रचना 4. सिकड़ी।

सिंग पुं. (तद्.) सींग।

सिंगड़ा पुं. (देश.) सींग की वह नली जिसे सैनिकों द्वारा बारूद रखने के लिए प्रयोग किया जाता था।

सिंगरफ पुं. (फा.) पाटा से निर्मित एक रासायनिक यौगिक जो खनिज के रूप में पाया जाता है, हिंगुल, ईंगुर।

सिंगरी स्त्री. (देश.) सिंगी, एक प्रकार की मछली।

सिंगल स्त्री. (देश.) एक प्रकार की मछली।

सिंगा पुं. (देश.) फूँक कर बजाया जाने वाला बाजा, रणसिंगा।

सिंगार पुं. (तद्.) 1. शृंगार 2. सजावट 3. शोभा।

सिंगारदान पुं. (तद्+फा) स्त्रियों के शृंगार का सामान रखने की छोटी आकार की संदूक या पेटी।

सिंगारना स.क्रि. (तद्.) प्रसाधन सामग्री व आभूषणों से अपने अंगों को सजाना, शृंगार करना।

सिंगार पट्टी स्त्री. (तद्.) स्त्रियों का सिर पर पहनने का एक प्रका का अभूषण।

सिंगारहाट पुं. (तद्.) वह बाजार जिसमें वेश्याएँ रहती हैं, चकला।

सिंगारहार पुं. (तद्.) हरसिंगार का वृक्ष या उसका पुष्प, पारिजात।

सिंगारिया पुं. (तद्.) 1. शृंगार करने वाला 2. देव मूर्तियों का शृंगार करने वाला पुजारी।

सिंगारी वि. (तद्.) 1. शृंगार संबंधी 2. शृंगार वाली 3. शृंगार करने वाला।

सिंगाला वि. (देश.) सींग वाला कोई जंतु/पशु।

सिंगिया पुं. (तद्.) एक पौधे की जड़ में पाया जाने वाला एक प्रसिद्ध विष।

सिंगी स्त्री. (तद्.) 1. सींग का बना एक प्रकार का वाद्य यंत्र जो फूँक कर बजाया जाता है, तुरही 2. सींग की तरह की एक नली जिससे जर्जर लोग शरीर की दूषित रक्त चूसकर निकालते हैं।

सिंगी मोहरा पुं. (देश.) सिंगिया, एक प्रकार का विष।

सिंगोटी स्त्री. (हि.सींग+औटी) 1. बैल के सींग का गहना 2. सींग का बना हुआ घोटना जिससे चमक लाने के लिए कपड़े आदि घोंटे जाते हैं 3. तेल आदि रखने का सींग का एक पात्र 3. सिंदूर आदि रखने की पिटारी।

सिंघ पुं. (तद्.) दे. सिंह।

सिंघल पुं. (तद्.) सिंहल द्वीप (लंका), इस द्वीप का निवासी।